[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 5947 G

Unique Paper Code : 62055502

Name of the Paper : जनपदीय साहित्य (Janpadiye Sahitya)

Name of the Course : BA Prog. (Generic Elective)

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. जनपदीय साहित्य की अवधारणा स्पष्ट करते हुए इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए । (12)

अथवा

मौखिक साहित्य और समाज के सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए ।

2. ऋतु संबंधी गीतों की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए। (12)

अथवा

वाचिक परम्परा में लोक गीतों का महत्त्व रेखांकित कीजिए।

3. लोक गाथाओं का सामान्य परिचय लिखिए। (12)

अथवा

पाठ्यक्रम में निर्धारित किन्हीं दो लोककथाओं का सार लिखिए।

4. 'बिदेसिया' लोक-नाट्य के सन्देश पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

लोक-नाट्य माच का परिचय देते हुए उसकी प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (7+7)

(क) खेतन में लागी कटनिया हो राम ।।
माथे क झूमर झलाझल झलके,
खनके कलइया, कंगनवा हो राम ।।

मिलि जुलि के सखिया लाही बंध्याओ।
भरै चलो घर की बखरिया हो राम।।
सासु, ननदिया बाट हेरत हैं,
सइयाँ की साजी सेजरिया हो राम।
खेतन में लागी कटनिया हो राम।

अथवा

होली बी खेलै ढपयी बजा कै गलयाँ में उड़ए गुलाल।
कहियो सुरैटण सै होली खेलण आवै नवाब।
हंसलो घड़ावै फिरंगी को लड़को कठलौ घड़ावै नवाब।
कहियो मुरैटण तै होली खेलण आवै नवाब।
ऐसी होली खेली मिरगानैणी म्हारा साफा की रखियों लहाज।

(ख) एक ढयाला रहै और एकु रहे पत्ता। जइ दूनों आप मैं सलाह कीन्हेंसि कि बखत जरूरति एकु दुसरे के काम अइवे।... कहेवि कि जब पानी आवय तब तुम हमैं बचै हौ औ जब आँधी आई तौ हम तुमैं बचाइये। दइब गति अइस भे कि आँधी पानी दूनौं साथै आयगै। आँधी ते उड़िगा और पानी ते ढयाला गलिगे। कथा रहै सो होइगै।

अथवा

इंद्र कै बात सुनिकै भगवान का संतोषु भा और तय उड़ यमराज ते बोले – महाराज। यो तुम्हई गड़बड़ घोटाला कौन हउ। अब तुम्हीं येहका पव्यारौ। किरपा करिकै ई पापिन का फिर ते धरती माँ छाँड़ि आव, काहे ते, पाप गंगा के नहाए ते नहीं, अच्छे फरमन ते खतम हात है। अब किरपा करिकै अइस भूल न कीन्हेव।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (7+6)

(क) कटनी के गीत

(ख) कठपुतली

(ग) सारंगा सदावृक्ष

(घ) पहेलियाँ–बुझौवल